2015

M. A.

1st Semester Examination

HINDI

PAPER—HIN-104

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए : 12×2

क) 'साकेत' के काव्यरूप पर विचार कीजिए ।

ख) 'कामायनी' के 'श्रद्धा' सर्ग के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए ।

ग) 'सरोज स्मृति' की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए ।

घ) 'महादेवी वर्मा' आधुनिक काव्य की मीराबाई हैं — इस कथन का विश्लेषण कीजिए ।

2. किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2

च) इतना तप न तपो तुम प्यारे, जले आग सी जिसके मारे ।
देखो, ग्रीष्म भीष्म तनु धारे,
जन को भी मनचीतो ।
मन को यों मत जीतो!
प्यासे हैं प्रियतम सब प्राणी, उन पर दया करो हे दानी,
इन प्यासी आँखों में पानी,
मानस कभी न रीतो ।
मन को यों मत जीतो ।

छ) नीचे जल था ऊपर हिम था, एक तरल था एक सघन,
एक तत्त्व की ही प्रधानता—कहो उसे जड़ या चेतन ।

ज) संग-सौध में हो शृंगार मरण का शोभन
नग्न, क्षुधातुर, वास विहीन रहे जीवित जन?
मानव! ऐसी भी विरक्ति क्या जीवन के प्रति?
आत्मा का अपमान, प्रेत औ' छाया से रति!!

झ) रंगो की आकुल तरंग जब हम को कस लेती है,
हम केवल डूबते नहीं ऊपर भी उतराते हैं
पुंडरीक के सदृश मृत्ति जल हो जिसका जीवन है
पर, तब भी रहता अलिप्त जो सलिल और कर्दम से ।

—o—